श्री योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री

मंत्री
ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग

की दिनांक 15.07.2022 को आयोजित
प्रेस-कान्फ्रेन्स

100 दिवसों की उपलब्धियां

डॉ0 सोमेंद्र तोमर
राज्यमंत्री

श्री ए.के. शर्मा
मंत्री

ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग,
उत्तर प्रदेश

ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य ....

1. उत्तर प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक ऊर्जा की आपूर्ति

- अब तक सर्वाधिक मांग 26504 मेगावाट के सापेक्ष आपूर्ति की गई। (दिनांक 11 जुलाई 2022)
- अब तक एक दिवस में सर्वाधिक 541 एम0यू0 विद्युत आपूर्ति की गई। (दिनांक 8 जुलाई 2022)
- गत वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में ऊर्जा खपत 32624 एम0 यू0 के सापेक्ष इस वर्ष की प्रथम तिमाही में 27.11% की वृद्धि हुई ।

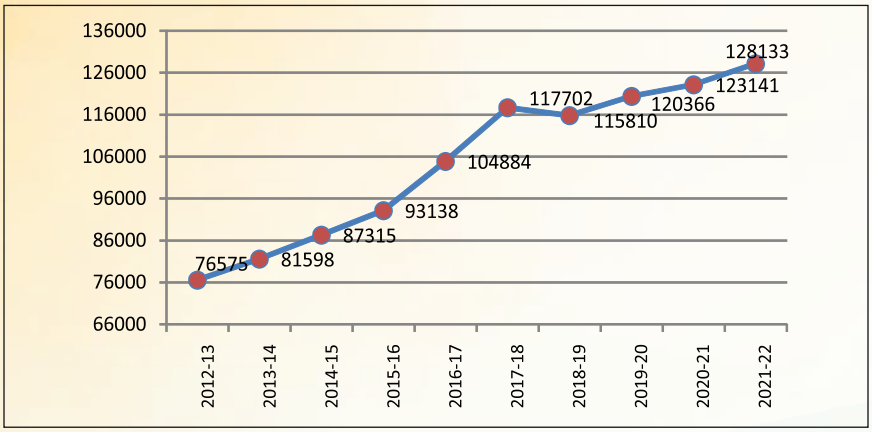

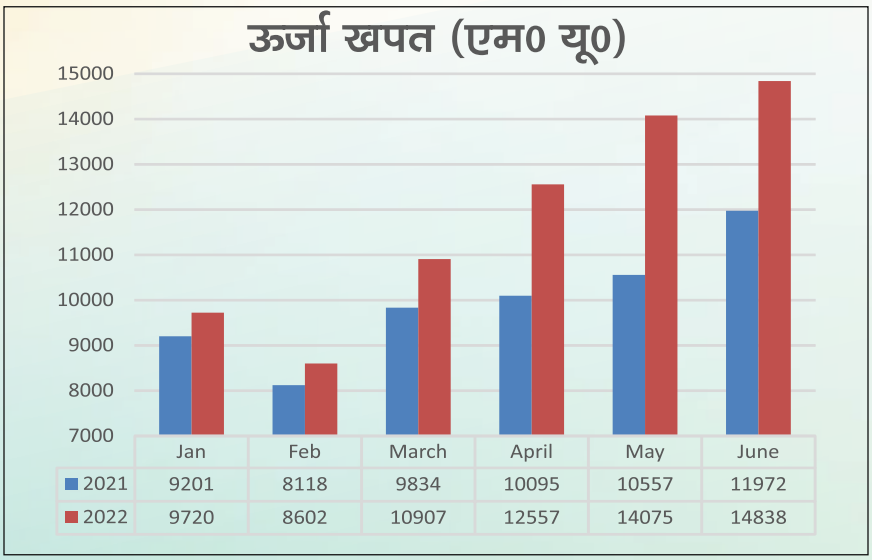

2. सर्वाधिक प्रभावी अनुरक्षण

- उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति के उद्देश्य से अनुरक्षण कार्यों पर सर्वाधिक ध्यान दिया गया, परिणाम स्वरूप ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता में उल्लेखनीय कमी आई। इस भीषण गर्मी के मौसम में विद्युत आपूर्ति की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गयी । ऊर्जा विभाग ने उ0प्र0 के इतिहास में अब तक की सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुये, भी परिवर्तकों का प्रभावी अनुरक्षण कर परिवर्तकों की क्षतिग्रस्तता में कमी दर्ज की।

- 2021–22 के प्रथम त्रैमास में क्षतिग्रस्तता प्रतिशत – 2.80
- 2022–23 के प्रथम त्रैमास में क्षतिग्रस्तता प्रतिशत – 2.77

3. जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण

- निरन्तर अनुश्रवण के माध्यम से उपभोक्ता सेवा के अंतर्गत पावर कारपोरेशन के इन्टरफेस 1912 में आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण कम से कम समय में सुनिश्चित किया गया। वर्ष 21–22 के प्रथम त्रैमास में उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज शिकायतों का 68.49 प्रतिशत निस्तारण ससमय किया गया। जबकि इसी अवधि में वर्तमान वर्ष में 92.50 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण किया गया।

4. उपभोक्ता सेवा हेतु तकनीक का प्रयोग : सम्भव पोर्टल का शुभारम्भ

- अद्यतन तकनीक के माध्यम से उपभोक्ता सेवा को और प्रभावी बनाने के लिए सम्भव पोर्टल की शुरूआत की गयी है। तकनीक के माध्यम से उपभोक्ता शिकायतों के अनुश्रवण के लिए निम्न सवेदनशील प्रक्रिया अपनाई गई है :–
  - अधीक्षण अभियन्ता एवं अधिशासी अभियन्ता के स्तर पर प्रत्येक सोमवार को जनसुनवाई।
  - प्रबन्ध निदेशक के स्तर पर डिस्कामवार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई।
  - ऊर्जा मंत्री एवं मुख्यालय स्तर पर प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को जनसुनवाई।

5. एक मुश्त समाधान योजना : रचे नए कीर्तिमान

- घरेलू/निजी नलकूप (सभी भार) तथा वाणिज्यक (5 कि0वा0 भार तक) के उपभोक्ताओं हेतु दिनांक 01 जून 2022 से लागू ''एक मुश्त समाधान योजना'' सर्वश्रेष्ठ एवं सफलतम रही है। प्रथम बार सभी उपभोक्ताओं को किस्तों में भुगतान की सुविधा प्रदान की गई।

योजना का लाभ प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या	–	36.09 लाख
योजना में प्राप्त धनराशि	–	2701 करोड़
योजना में माफ की गई सरचार्ज राशि	–	786 करोड़

6. राजस्व वसूली में ऐतिहासिक वृद्धि

- वर्ष 2022–2023 के प्रथम तिमाही में वर्ष 2021–2022 के प्रथम तिमाही के सापेक्ष राजस्व वसूली में ऐतिहासिक वृद्धि ।
- इस वर्ष जून महीने में पिछले वर्ष के जून से 60% वृद्धि ।

प्रथम तिमाही		वृद्धि	
वर्ष 2021–2022	वर्ष 2022–2023	धन राशि (करोड़ में)	प्रतिशत
9419 .92	13763 .34	4343 .42	46 .11

7. कभी भुगतान न करने वाले (Never Paid) उपभोक्ताओं की संख्या में अभूतपूर्व कमी

- वर्ष 2022–23 की प्रथम तिमाही में कभी भुगतान न करने वाले (Never Paid) 14,11,921 उपभोक्ताओं से भुगतान प्राप्त किया गया।
- विभाग द्वारा किये गये प्रयासों से कभी भुगतान न करने वाले (Never Paid) उपभोक्ताओं से संपर्क कर उन्हें भुगतान हेतु प्रेरित कर सफलता प्राप्त की गयी।

8. विद्युत आपूर्ति की बढ़ी हुई मांग की पूर्ति के लिए कोयले की सर्वाधिक आपूर्ति

- कोयला संकट के बावजूद गत वर्षों के तुलना में उ0प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन निगम की इकाईयों को अत्याधिक कोयला आपूर्ति की गई ताकि बढ़ी हुई मांग की पूर्ति की जा सके।

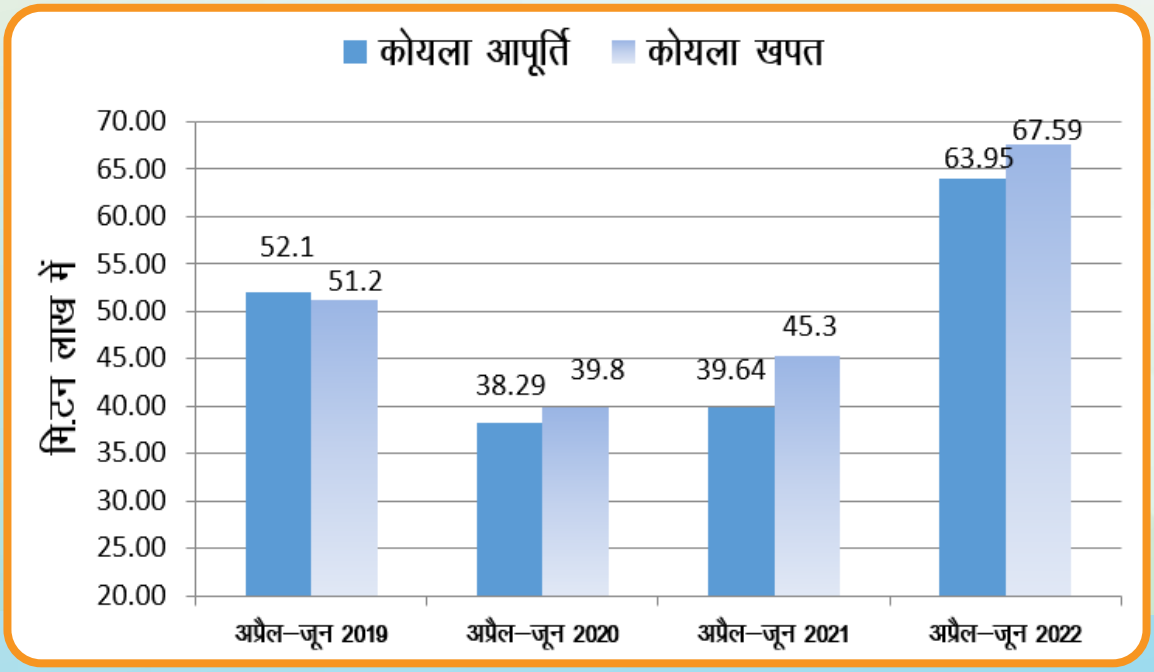

9. उत्पादन क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि

- इस वर्ष प्रथम तिमाही में उ0प्र0 विद्युत उत्पादन निगम के इकाईयों द्वारा गत वर्ष के सापेक्ष विद्युत उत्पादन एवं पी0एल0एफ0 में ऐतिहासिक वृद्धि।
- उ0 प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन नि0 के इतिहास में एक दिन में सर्वाधिक 131.23 मिलियन यूनिट (568 मे0 वा0) का विद्युत उत्पादन

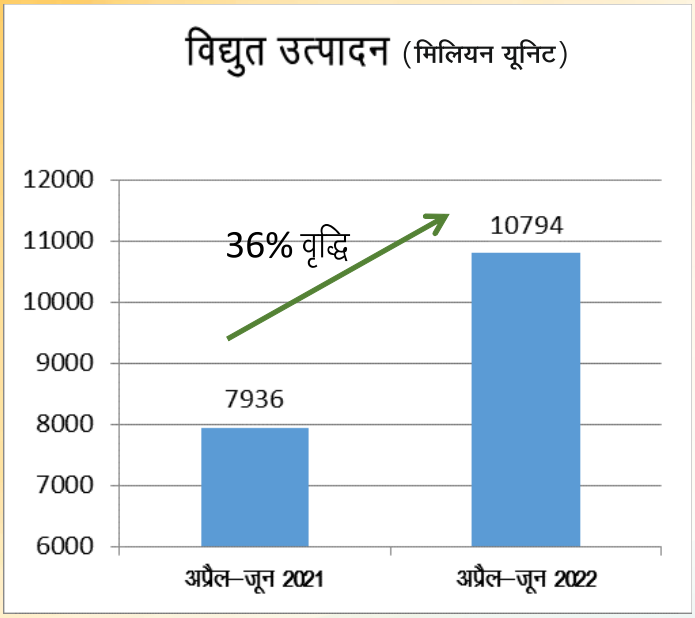

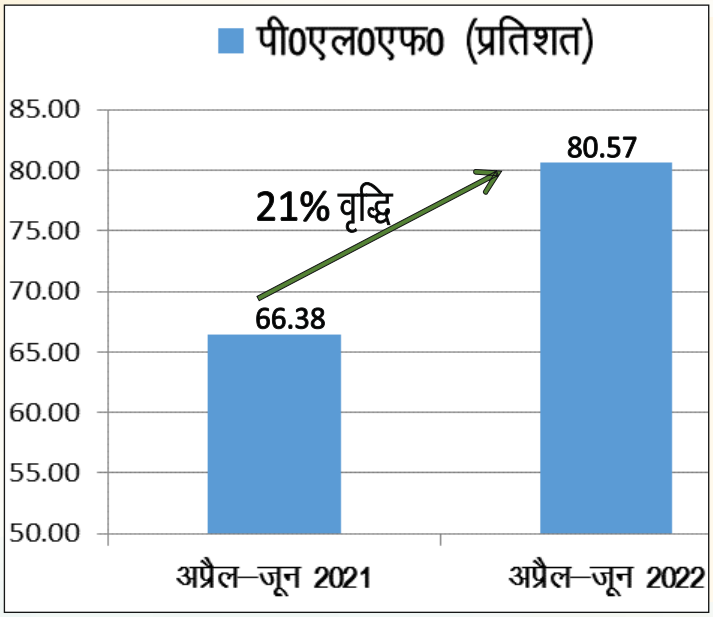

10. ऊर्जा विभाग में नये रोजगार

- ऊर्जा विभाग में 1030 लेखा लिपिक/सहायक लेखाकार/अवर/सहायक अभियन्ताओं को नवनियुक्ति प्रदान की गयी तथा उत्पादन निगम द्वारा 499 पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किये गये।
- ऊर्जा विभाग द्वारा सेवा प्रदाता / संविदा पर लगभग 2000 नवीन रोजगार के अवसर दिये गये।

11. उपभोक्ता सेवा में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता

- पारदर्शिता एवं सजग प्रशासनिक व्यवस्था हेतु कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर निगरानी रखते हुए सम्बन्धित को जवाबदेह बनाया गया। कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर निगरानी हेतु नये संयोजन, बिल भुगतान, बिल सुधार इत्यादि उपभोक्ता सेवाओं सम्बन्धी सभी प्रक्रियाओं की ऑनलाइन व्यवस्था उपलब्ध की गई है।
- उपभोक्ताओं की शिकायतों को दर्ज करने के लिए 1912 के कॉल सेंटर पर 60 कॉल डेस्क को बढ़ाकर 90 कॉल डेस्क की गई ।
- गुणवत्तापरक सही वोल्टेज की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए वितरण परिवर्तकों के नियमित निरीक्षण हेतु डी टी सर्वे अनुरक्षण ऐप प्रारंभ किया गया।

100 दिन की उपलब्धियां

(क) वितरण क्षेत्र द्वारा लक्षित दो उपकेन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण कर ऊर्जीकृत किया गया।

1. **33/11 के0वी0 जी0आई0एस0 (गैस इन्सूलेटेड उपकेन्द्र) उपकेन्द्र नगवां जनपद वाराणसी** उपकेन्द्र की क्षमता 2X10 एम0वी0ए0 है तथा इसके ऊर्जीकरण से 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र नरीया तथा 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र डफी का भार कम किया गया। परिणाम स्वरूप उक्त तीनों उपकेन्द्रों से जुड़े लगभग 35000 उपभोक्ताओं को बेहतर एवं गुणवत्ता परक विद्युत आपूर्ति का अवसर प्राप्त हुआ।

लागत- रू0 20.65 करोड

2. **33/11 के0वी0 उपकेन्द्र कैल्हा, चित्रकूट** उपकेन्द्र के ऊर्जीकरण से क्षेत्र खम्भा खुर्द मडईयन, कैल्हा एवं शहरीन क्षेत्रों के लगभग 7000 उपभोक्ताओं को बेहतर एवं गुणवत्ता परक विद्युत आपूर्ति का अवसर प्राप्त हुआ।

लागत- रू0 3.49 करोड

(ख) पारेषण क्षेत्र में लक्षित 7 उपकेंद्रों का निर्माण कार्य पूर्ण कर ऊर्जीकृत किया गया

प्रदेश की ट्रांसमिशन क्षमता की वृद्धि के लिये 7 उपकेंद्रों के निर्मित होने के फलस्वरूप 3203 मेगावाट परिवर्तनीय क्षमता की वृद्धि हुई एवं 763 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाईनों की स्थापना की गई।

1. 400 के0वी0 रसड़ा उपकेन्द्र, (बलिया)

इस उपकेन्द्र के निर्माण के फलस्वरूप जिला–बलिया आबादी लगभग 36 लाख, जिला–गाजीपुर आबादी लगभग 42 लाख एवं जिला– मऊ की आबादी लगभग 03 लाख के विभिन्न शहर ग्रामीण व औद्योगिक क्षेत्र एवं आपूर्ति उपलब्धता में गुणात्मक सुधार होगा तथा क्षेत्र की विद्युत अतिभारिता की समस्या दूर होगी।

लागत :– रू0 426.06 करोड़

2. 400 के0वी0 भौखरी उपकेन्द्र, (बस्ती)

इस उपकेन्द्र के निर्माण के फलस्वरूप सम्पूर्ण बस्ती मण्डल तथा देवीपाटन मण्डल के जनपद गोण्डा तथा बहराईच की पारेक्षण तंत्र की सुदृढकरण के साथ विद्युत आपूर्ति तथा उपलब्धता में गुणात्मक सुधार होगा। उपकेन्द्र निर्माण से बस्ती मण्डल के जनपद बस्ती, संत कबीर नगर तथा सिद्धार्थनगर के लगभग 38 लाख आबादी तथा देवीपाटन मण्डल के जनपद गोण्डा एवं बहराईच के लगभग 15 लाख आबादी तथा अयोध्या जनपद के लगभग 02 लाख आबादी सीधे तौर पर लाभान्वित होगी।

लागत :– रू0 829.59 करोड

3. 220 के0वी0 उपकेन्द्र अयोध्या

इस उपकेन्द्र के निर्माण के फलस्वरूप अयोध्या विधानसभा क्षेत्र जनपद–अयोध्या में विद्युत आपूर्ति तथा उपलब्धता में गुणात्मक सुधार होगा तथा क्षेत्र की विद्युत अतिभारिता की समस्या दूर होगी। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के नाका, कौशलपुरी, कैन्ट, सिविल लाइन, पूरा बाजार, गोसाईगंज, अमानीगंज, इत्यादि क्षेत्रों की लगभग 2.00 लाख की आाबदी लाभान्वित होगी।

लागत :– रू0 151.21 करोड़

4. 220 के0वी0 उपकेन्द्र बबीना (झांसी)

उपकेन्द्र निर्माण के फलस्वरूप जनपद झांसी के बबीना विधान सभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की उपलब्धता में गुणात्मक सुधार तथा क्षेत्र की विद्युत अतिभारिता दूर हुई है। बबीना नगर, बधौरा, घिसौली, सिमरावरी, खैलार, मानपुर क्षेत्र की लगभग 1.25 लाख की आबादी लाभान्वित।

लागत :– रू0 73.73 करोड

5. 220 के0वी0 उपकेन्द्र मलवां (फतेहपुर)

इस उपकेन्द्र के निर्माण के फलस्वरूप जिला फतेहपुर के बिन्दकी, जहानाबाद एवं हुसैनगंज विधानसभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति तथा उपलब्धता में गुणात्मक सुधार होगा तथा क्षेत्र की विद्युत अतिभारिता की समस्या दूर होगी। बिन्दकी, जहानाबाद एवं हुसैनगंज विधानसभा क्षेत्र की लगभग 3.00 लाख की आबादी लाभान्वित होगी।

लागत :– रू0 10 0 .17 करोड

6. 132 के0वी0 उपकेन्द्र बिलोचपुरा (बागपत)

इस उपकेन्द्र के निर्माण के फलस्वरूप बागपत विधानसभा क्षेत्र जिला–बागपत में विद्युत आपूर्ति तथा उपलब्धता में गुणात्मक सुधार होगा तथा क्षेत्र की विद्युत अतिभारिता की समस्या दूर होगी। मीताली, डोला, धनोरा, सिल्वरनगर, बिलौचपुरा, बुडेरा आदि ग्राम के क्षेत्रों की लगभग 1.5 लाख की जनसंख्या लाभान्वित

लागत :– रू0 69.17 करोड़

7. 132 के0वी0 उपकेन्द्र छानबे (मीरजापुर)

उपकेन्द्र के फलस्वरूप जिला मीरजापुर के मीरजापुर एवं छानबे विधान सभा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति में सुधार हुआ है। हलिया, बरौंधा, देवरी, रनेह, ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 85,0 0 0 आबादी लाभान्वित।

लागत :– रू0 22.27 करोड़

(ग) उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर करने के लिए अनमीटर्ड संयोजनों में मीटर लगाये जाने की कार्य प्रगति।

- अनमीटर्ड संयोजनों में मीटर लगाने में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की गई।
- 100 दिन का लक्ष्य : 3.68 लाख अनमीटर्ड उपभोक्ताओं के यहाँ मीटर लगाना है।
- लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्ति : जून 2022 तक 5.75 लाख उपभोक्ताओं के यहाँ मीटर लगाया गया।

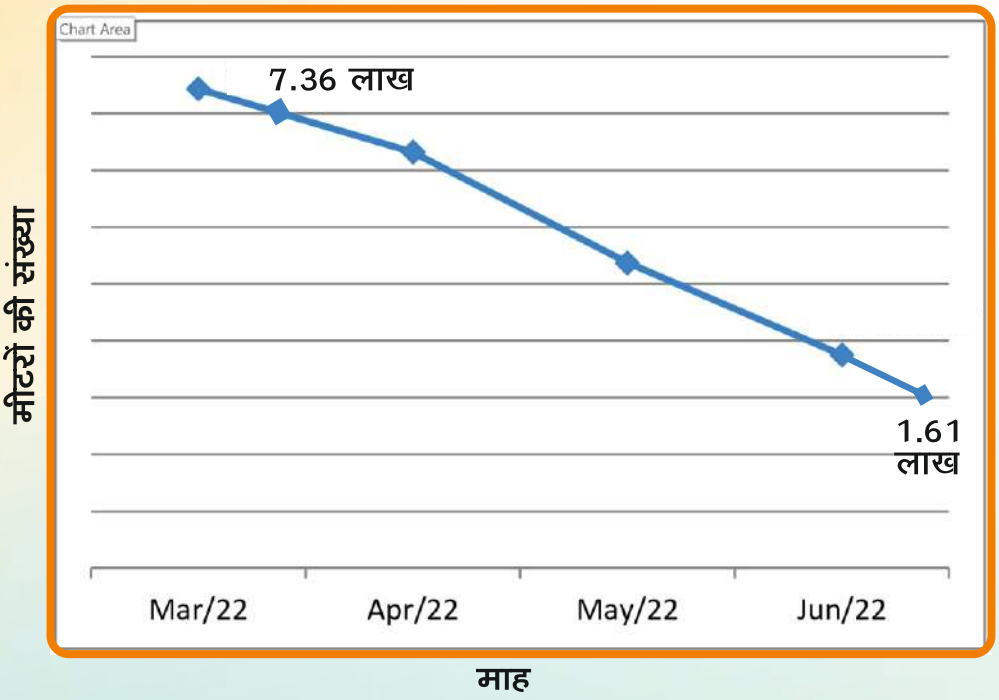

- 1 अप्रैल 2022 को अनमीटर्ड संयोजनों की संख्या 7.36 लाख
- 1 जुलाई 2022 को शेष अनमीटर्ड संयोजनों की संख्या 1.61 लाख

अतिरिक्त ऊर्जा के क्षेत्र में

1. सरकारी एवं अर्ध-सरकारी भवनो में अब तक 1080 कि0वा0 क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ़ टॉप प्लान्ट स्थापित किये गये हैं।
2. सार्वजनिक पथ प्रकाश व्यवस्था हेतु 5000 सोलर स्ट्रीट लाईट संयंत्र स्थापित किये गये हैं।
3. जनपद जालौन के अन्तर्गत 32 मे0वा0 एवं 65 मे0वा0 कुल 97 मे0वा0 क्षमता की सौर पावर परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।
4. जनपद हापुड़ में 5 टन कम्प्रेस्ड बायो गैस प्रतिदिन क्षमता के प्लान्ट का ट्रायल रन आरम्भ किया गया है।
5. निजी अवासो में ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ टॉप प्लान्ट स्थापना हेतु लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन आरम्भ किया जा चुका है। अब तक 972 लाभार्थियों के सापेक्ष 3024 कि0वा0 सोलर प्लान्ट क्षमता का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है।

जिला न्यायालय सुल्तानपुर

5 टन प्रतिदिन क्षमता के सीबीजी संयंत्र की स्थापना ग्राम चित्तौड़- महिउद्दीनपुर गढ़मुक्तेश्वर हापुर में मैसर्स मित्तल इंटरप्राइजेज द्वारा की गई है

सेवा एवं संतुष्टि की ओर बढ़ते कदम....

1. विद्युत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा एवं संतोष प्रदान करने व आपूर्ति में गुणात्मक सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी रिवैम्पड योजना (आर0डी0एस0एस0) के अंतर्गत रू0 54300.28 करोड़ अनुमोदित।

2. एशियन डेवलपमेन्ट बैंक (ए0डी0बी0) से प्राप्त ऋण के माध्यम से 24930 मजरों में 26000 कि0मी0 ए0बी0 केबलिंग कार्य पूर्ण किया जाना लक्षित है जिसके सापेक्ष 5712 मजरों में 9496 कि0मी0 ए0बी0 केबिल लगाया जा चुका है साथ ही 1084 नग 11 के0वी0 मिश्रित पोषकों को अलग कर 843 नवीन पोषकों का निर्माण किया जाना लक्षित है, जिसके सापेक्ष 33 नवीन 11 के0वी0 कृषि पोषकों का निर्माण किया जा चुका है।

3. पारेषण क्षेत्र में 2162 करोड़ की कुल लागत के एक 400 के0वी0, चार 220 के0वी0 तथा तीन 132 के0वी0 उपकेन्द्र एवं विभिन्न पारेषण तन्त्र की क्षमता वृद्धि एवं सुदृढीकरण का कार्य स्वीकृत किया गया।

4. नेडा द्वारा कृषि अपशिष्ट आधारित 28 टन कम्प्रैस्ड बायो गैस प्रातिदिन क्षमता के संयंत्र की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। योजना के लिए इण्डियन ऑयल द्वारा पूंजी निवेश किया जाना योजित है।

5. नेडा द्वारा सौर एवं जैव ऊर्जा के क्षेत्र को प्रोत्साहित करने हेतु नवीन नीति शीघ्र लाई जायेगी।

6. नेडा द्वारा सोलर पावर प्लान्ट स्थापित करने हेतु तीन निविदायें प्रकियाधीन है, जिनकी क्षमता 272 मेगा वाट है।

7. ओपेन एक्सेस के माध्यम से 9 परियोजनायें जिनकी कुल क्षमता 250 मेगा वाट होगी, सोलर ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करना प्रस्तावित है।

- DVVNL : 8010957826
- MVVNL : 8010924203
- PuVVNL : 8010968292
- PVVNL : 7859804803
- KESCO : 8287835233

- @UPPCLLKO
- @MVVNLHQ
- @PVVNLHQ
- @DVVNLHQ
- @PuVVNLHQ
- @KESCOHQ

- https://uppcl.org
- http://www.mvvnl.in
- https://www.dvvnl.org
- http://puvvnl.up.nic.in
- http://pvvnl.org
- https://kesco.co.in/wss